Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



11th History

Chapter-4 | Part-9

ARJUN BATCH

तीन वर्ग (Three Orders)

चौथा वर्ग-नगर और नगरवासी, कथीड्रल नगर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 राजनीतिक परिवर्तन

2 अभ्यास प्रश्न



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजनीतिक परिवर्तन

14th शताब्दी के संकट → सामाजिक असंतोष → राज्य

स्थायी सेना का गठन

शासक वर्ग शक्ति

बंदूकों व गोला बारूद → युद्ध → राज्य व आर्थिक शक्ति

स्थायी नौकरशाही

राष्ट्रीय नीतियां

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभिजात वर्ग → शक्ति (V,)

⊎

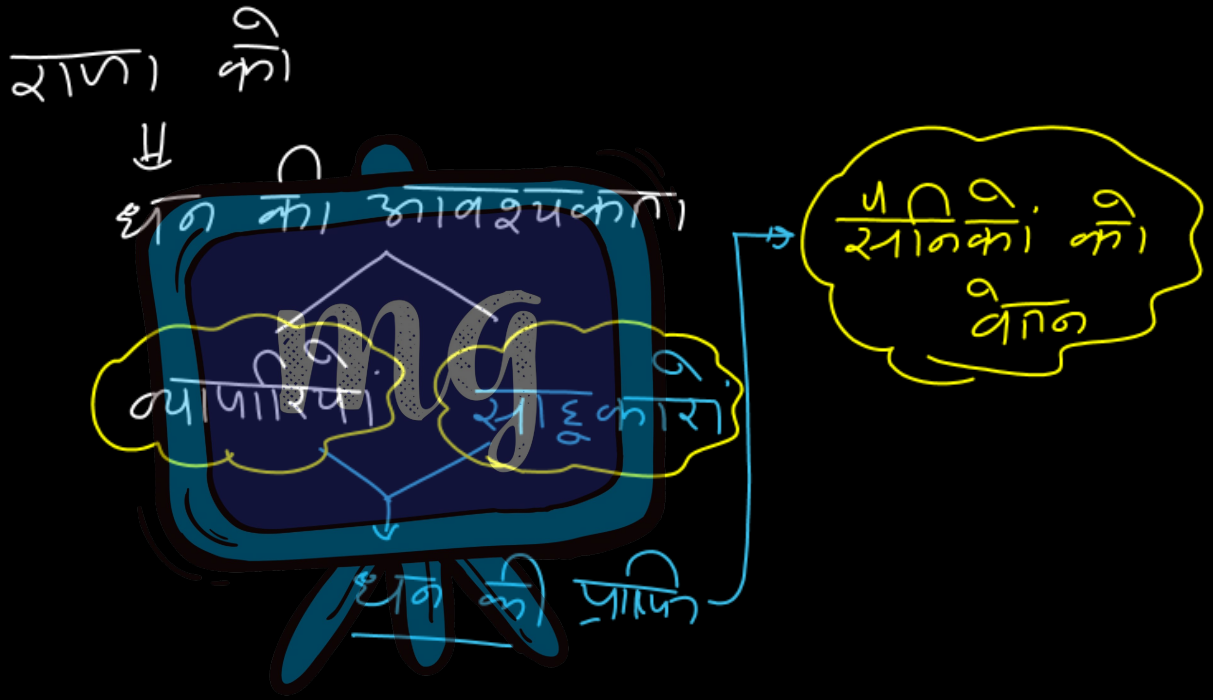
राज्य | राजा (राजतन्त्र)

स्थायी नौकरशाही में प्रवेश



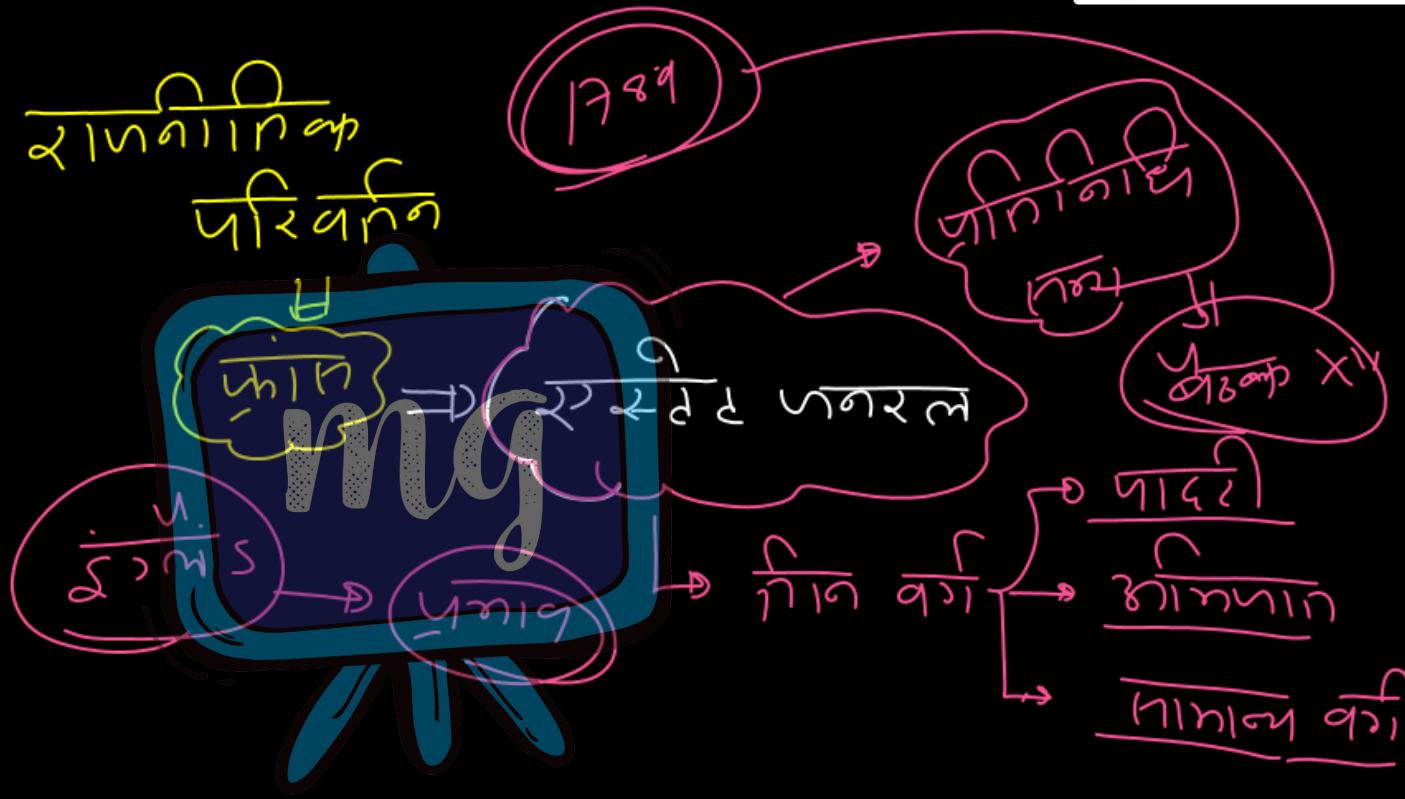
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजनीतिक परिवर्तन

- पंद्रहवीं और सोलहवीं सदियों में यूरोपीय शासकों ने अपनी सैनिक एवं वित्तीय शक्ति को बढ़ाया।
- नए शक्तिशाली राज्य उस समय होने वाले आर्थिक बदलावों के समान ही महत्त्वपूर्ण थे।
- इसी कारण इतिहासकार इन राजाओं को 'नए शासक' कहने लगे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

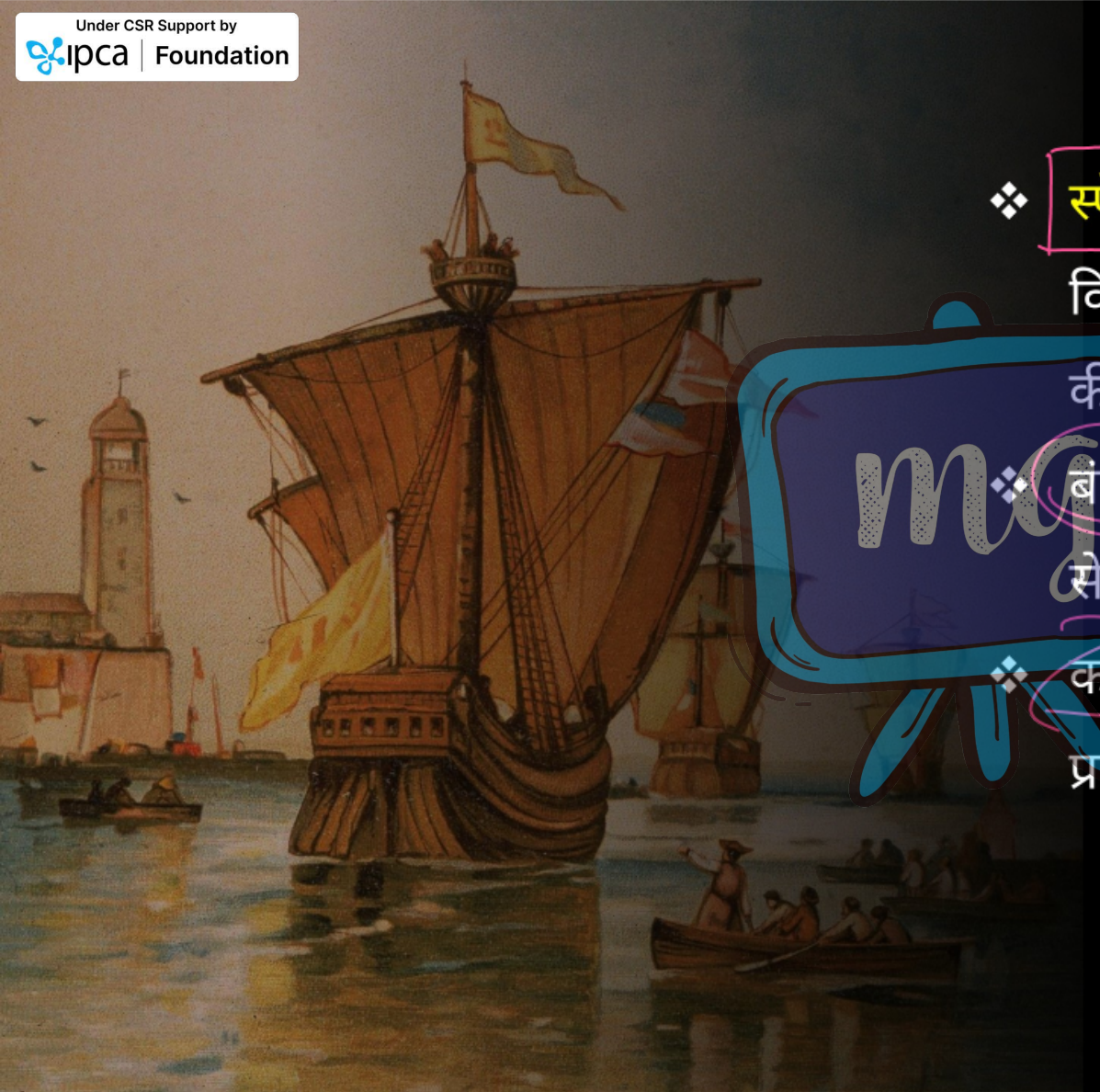
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- फ्रांस में लुई ग्यारहवें, आस्ट्रिया में मैक्समिलन, इंग्लैंड में हेनरी सप्तम और स्पेन में ईसाबेला और फरडीनेंड, निरकुंश शासक थे।
- जिन्होंने संगठित स्थायी सेनाओं, एक स्थायी नौकरशाही और राष्ट्रीय कर प्रणाली स्थापित करने की प्रक्रिया को शुरू किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- स्पेन और पुर्तगाल ने यूरोप के समुद्र पार विस्तार की नयी संभावनाओं की शुरुआत की।
- बंदूकों और बड़ी तोपों से सुसज्जित प्रशिक्षित सेना बनाई ।
- करों को बढ़ाने से शासकों को पर्याप्त राजस्व प्राप्त हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- राजसत्ता के विरुद्ध हुए विरोधों का एक समान मुद्दा कराधान था।
- इंग्लैंड में विद्रोह हुए जिनका दमन कर दिया गया।
- फ्रांस में लुई XI (1461-83) को ड्यूक लोगों और राजकुमारों के विरुद्ध एक लंबा संघर्ष करना पड़ा।
- सोलहवीं सदी में फ्रांस में 'धर्म-युद्ध' हुआ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अभिजात वर्ग ने अपने अस्तित्व को बचाये रखने के लिए जल्दी ही अपने को राजभक्तों में बदल लिया।
- उन्हें प्रशासनिक सेवाओं में स्थायी स्थान दिए गए।
- धन गैर-अभिजात वर्गों जैसे व्यापारियों और साहूकारों के लिए दरबार में प्रवेश करने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बन गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- वे राजाओं को धन उधार देते थे जो इसका उपयोग सैनिकों को वेतन देने के लिए करते थे।
- शासकों ने इस प्रकार राज्य-व्यवस्था में गैर सामंती तत्त्वों के लिए स्थान बना दिया।
- 1614 में लुई XIII के शासनकाल में फ्रांस की परामर्शदात्री सभा, जिसे एस्टेटस जनरल कहते थे का एक अधिवेशन हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

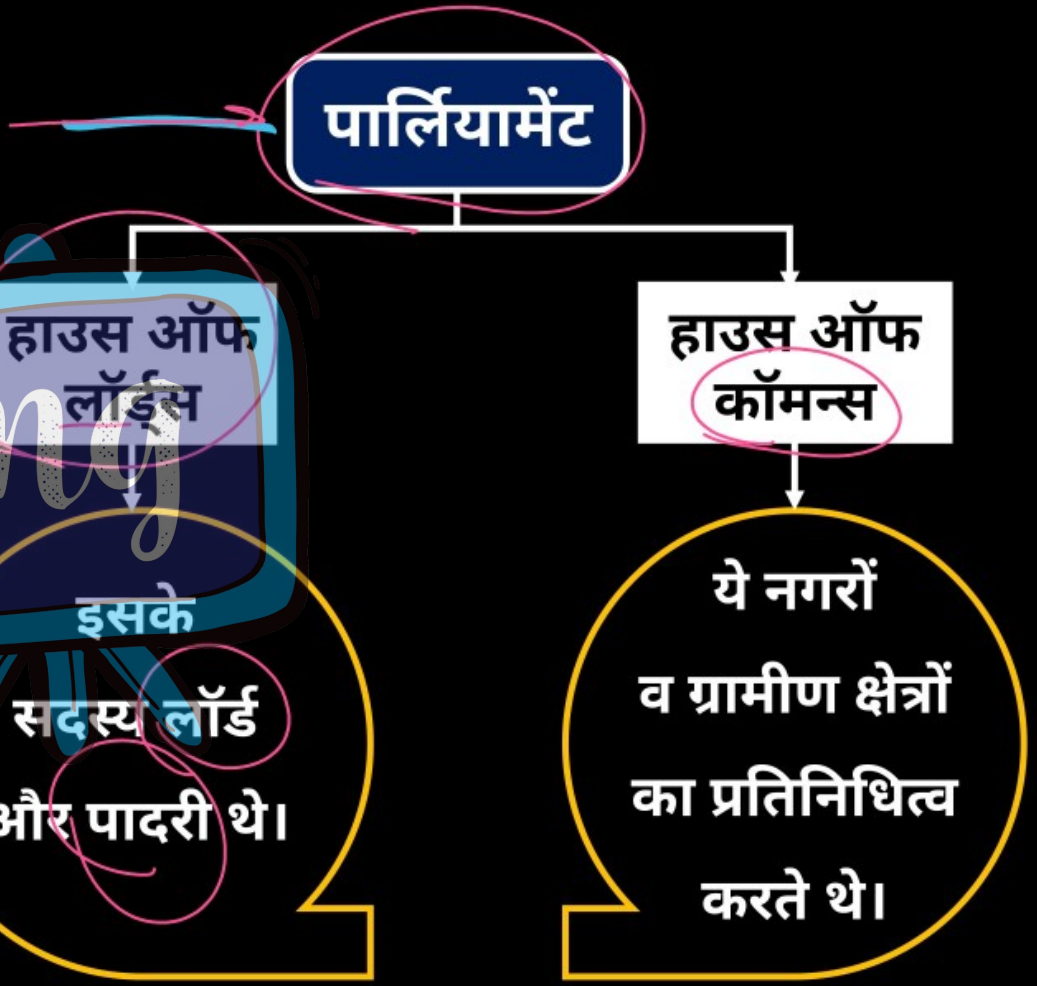
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- इसके पश्चात दो सदियों, 1789 तक इसे फिर नहीं बुलाया गया
- क्योंकि राजा तीन वर्गों के साथ अपनी शक्ति बाँटना नहीं चाहते थे।
- इंग्लैंड नॉरमन विजय से भी पहले एंग्लो-सैक्सन लोगों की एक महान परिषद होती थी।
- कोई भी कर लगाने से पहले राजा को इस परिषद की सलाह लेनी पड़ती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- राजा चार्ल्स प्रथम (1629-40) ने पार्लियामेंट को बिना बुलाए ग्यारह वर्षों तक शासन किया।
- बाद में उसे प्राणदंड देकर गणतंत्र की स्थापना की गई।
- यह व्यवस्था अधिक दिनों तक नहीं चल पाई और राजतंत्र की पुनः स्थापना हुई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- परंतु इस शर्त पर कि अब पार्लियामेंट नियमित रूप से बुलाई जाएगी।
- वर्तमान में फ्रांस में गणतंत्रीय सरकार है और इंग्लैंड में राजतंत्र है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अभ्यास प्रश्न

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संक्षेप में उत्तर दीजिए

1. दक्षिणी और उत्तरी अमरीका के मूल निवासियों के बीच के फ़र्कों से संबंधित किसी भी बिन्दु पर टिप्पणी करिए।



उत्तर :

- उत्तरी अमरीका के मूल निवासी शिकार करने, मछली पकड़ने व संग्रहण करने में रुचि रखते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने बड़े पैमाने पर खेती करने की कोशिश कभी नहीं की और न ही अनाज का भंडारण किया।
- वे जंगली जानवरों जैसे भैंसे आदि की सवारी व शिकार करते थे।
- इसके विपरीत दक्षिणी अमरीका के मूल निवासियों की सभ्यता का आधार कृषि थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मक्का की फसल प्रमुख उपज थी और वे जानवरों का शिकार करते थे व मछलियाँ भी पकड़ते थे।
- उत्तरी अमरीका में केंद्रीय और राजशाही साम्राज्यों का उदय नहीं हुआ।
- जबकि दक्षिणी अमरीका में अनेक विशाल साम्राज्य थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

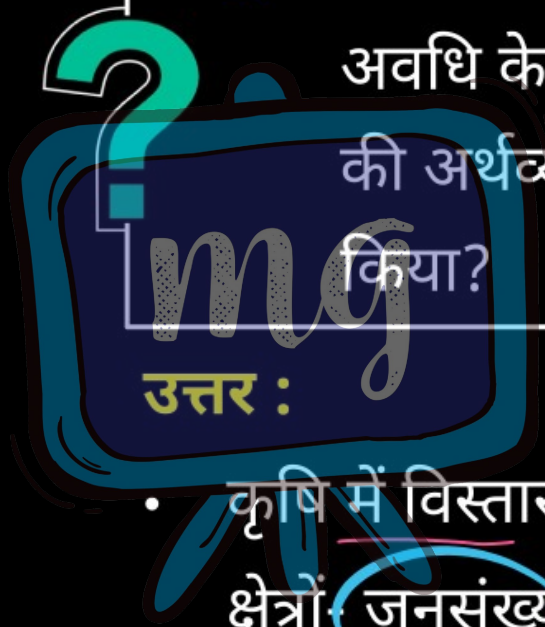
- वहाँ पर भूमि के स्वामित्व को लेकर झगड़े नहीं होते थे।
- इसके अतिरिक्त औपचारिक संबंध बनाना और उपहार देना व लेना प्रचलन में था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. जनसंख्या के स्तर में होने वाले लंबी अवधि के परिवर्तनों ने किस प्रकार यूरोप की अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित किया?



उत्तर :

- कृषि में विस्तार के साथ ही उससे संबद्ध तीन क्षेत्रों- जनसंख्या, व्यापार और नगरों का विस्तार हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप की तत्कालीन जनसंख्या बढ़ गई।
- बेहतर आहार के कारण लोगों की जीवन की अवधि बढ़ी।
- पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों और बालिकाओं की जीवन अवधि लघु होती थी।
- ग्यारहवीं शताब्दी में जब कृषि का विस्तार हुआ और वह अधिक जनसंख्या का भार सहने में सक्षम हुई तो नगरों की तादाद बढ़ गई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- नगरों में लोग, सेवा के बजाय लार्डों को, जिनकी भूमि पर वे बसे थे, उन्हें कर देने लगे।
- तेरहवीं शताब्दी के अंत तक उत्तरी यूरोप में तेज ग्रीष्म ऋतु का स्थान तीव्र ठंडी ऋतु ने ले लिया।
- परिणामतः पैदावार की अवधि कम हो गयी और ऊँची भूमि पर फसल उगाना कठिन हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ऑस्ट्रिया व सर्बिया की चाँदी की खानों के उत्पादन में कमी के कारण धातु में कमी आई और इससे व्यापार प्रभावित हुआ।
- इसके अतिरिक्त, 1347 और 1350 के मध्य लोग प्लेग जैसी महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस प्रकार जनसंख्या में परिवर्तनों के फलस्वरूप यूरोप की अर्थव्यवस्था ओर समकालीन समाज प्रभावित हुआ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. नाइट एक अलग वर्ग क्यों बने और उनका पतन कब हुआ?

उत्तर :

- यूरोप में नौवीं सदी के दौरान युद्ध अधिकतर होते रहते थे।
- शौकिया कृषक सैनिक इस युद्ध के लिए पर्याप्त नहीं थे और कुशल अश्वसेना की आवश्यकता थी।

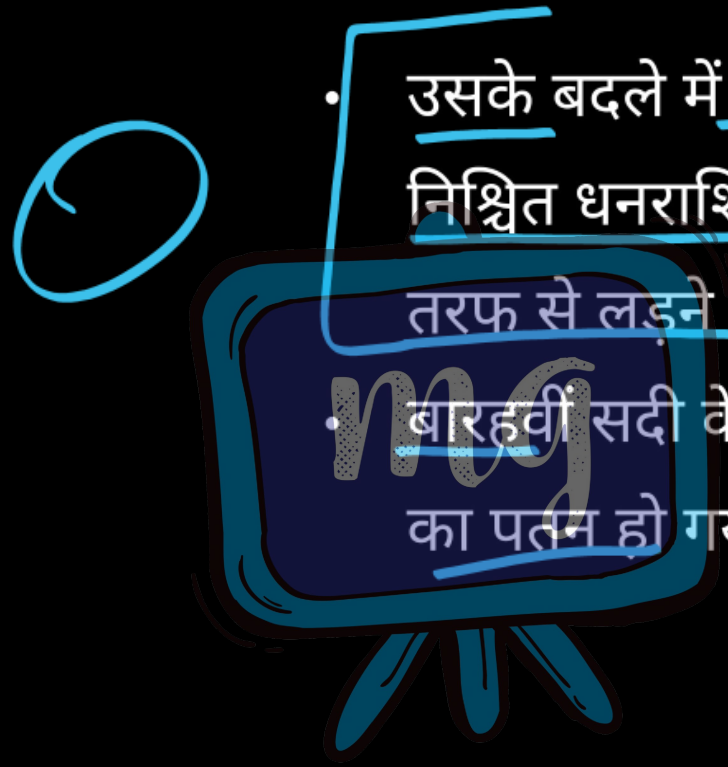
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसने एक नए वर्ग को उत्पन्न किया जिसे नाइट कहा जाता था।
- वे लार्ड से उस प्रकार संबद्ध थे जैसे लार्ड राजा से संबद्ध था।
- लार्ड नाइट को जमीन देता था तथा उसकी सुरक्षा का वचन देता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

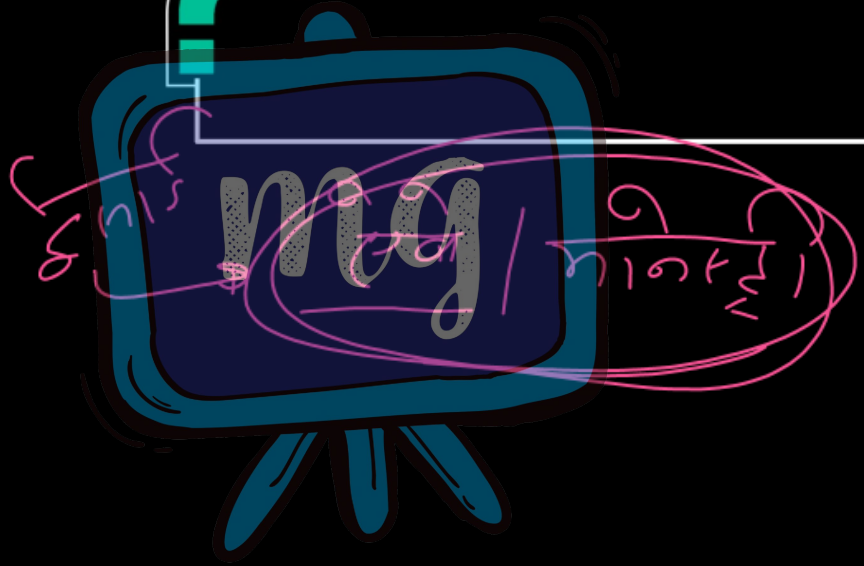


- उसके बदले में नाइट अपने लार्ड को एक निश्चित धनराशि देता था और युद्ध में उसकी तरफ से लड़ने का वचन देता था।
- बारहवीं सदी के शुरुआती वर्षों में नाइट समूह का पतन हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. मध्यकालीन मठों का क्या कार्य था?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उत्तर :

- मध्यकाल में चर्च के अतिरिक्त धार्मिक गतिविधियों के केंद्र मठ भी थे।
- मठों को निर्माण आबादी से दूर किया जाता था।
- मठों में भिक्षु निवास करते थे।
- वे प्रार्थना करने के अतिरिक्त, अध्ययन-अध्यापन तथा कृषि भी करते थे।

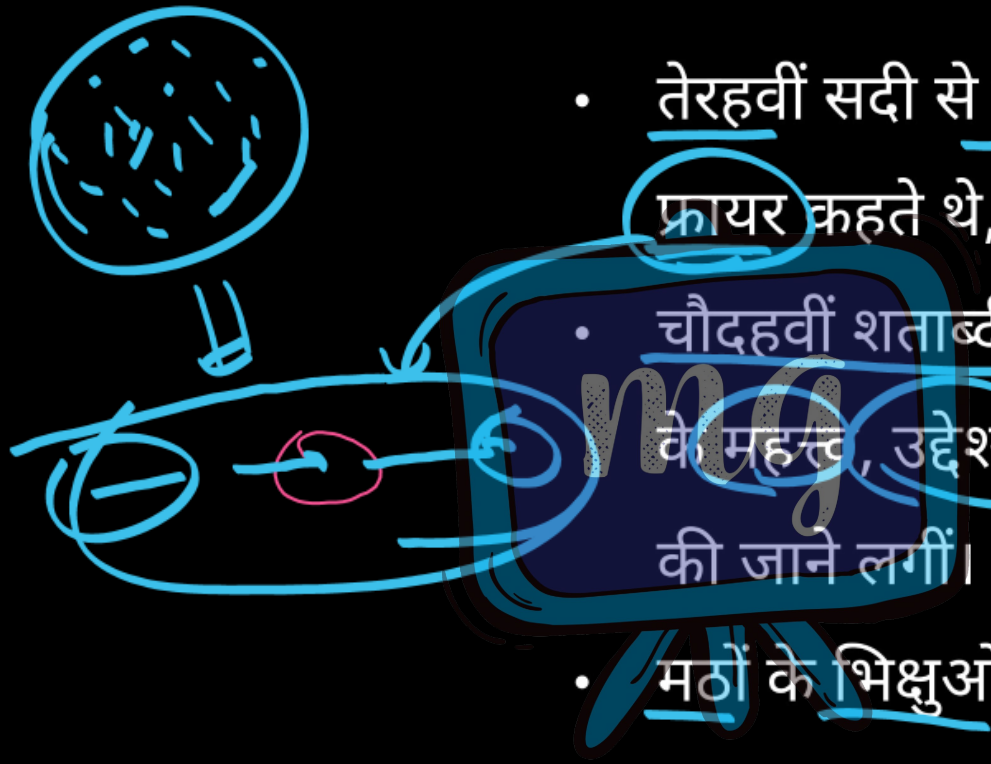
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मठों का प्रमुख काम धर्म का प्रचार-प्रसार करना था।
- मठों में अध्ययन के अतिरिक्त अन्य कलाएँ भी सीखी जाती थीं।
- आबेस हिल्डेगार्ड प्रतिभासंपन्न संगीतज्ञ था।
- उसने चर्च की प्रार्थनाओं में सामुदायिक गायन की परंपरा के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- तेरहवीं सदी से भिक्षुओं के कुछ समूहों ने, जिन्हें फ्रायर कहते थे, मठों में रहने का फैसला किया।
- चौदहवीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों तक मठवाद के महत्व, उद्देश्यों के बारे में कुछ शंकाएँ व्यक्त की जाने लगीं।
- मठों के भिक्षुओं का मुख्य कार्य ईश्वर की आराधना करना तथा जनसाधारण को चर्च के सिद्धांतों के विषय में समझाना था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- वे जनसामान्य के नैतिक जीवन को ऊँचा उठाने का कार्य करते थे।

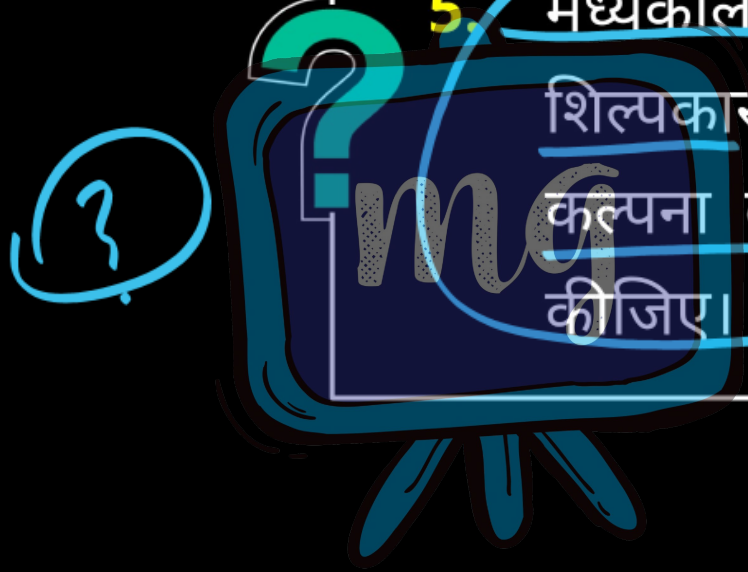


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संक्षेप में निबंध लिखिए

5. मध्यकालीन फ्रांस के नगर में एक शिल्पकार के एक दिन के जीवन की कल्पना कीजिए और इसका वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :



- मध्यकाल में फ्रांस के कारीगर अपने काम में बहुत कुशल थे।
- वे अपनी-अपनी श्रेणी के सदस्य थे।
- वे एक निश्चित मानक के अनुसार वस्तुओं का उत्पादन करते थे, ताकि उनकी गुणवत्ता बनी रहे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वे अपने साथी सदस्यों की सामाजिक एवं आर्थिक आवश्यकताओं का पूरा ध्यान रखते थे।
- मध्यकालीन फ्रांस में शिल्प का विकास हो गया तथा मूर्तिकार, कसीदाकारी करने वाले, पत्थर पर डिज़ाइन बनाने वाले कहीं भी देखे जा सकते थे।
- पत्थर पर काम करने वाले शिल्पकार की ही कल्पना करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वह पत्थर को अपने सामने लाता है।
- उसको इधर- उधर देखकर उचित तरीके से रखता है।
- पुनः वह अपने औजार की पेटी खोलता है।
- वह एक-एक करके उन्हें निकालता जाता है तथा साफ़ करता है।
- पत्थर को तोड़ने के लिए हाथ में हथौड़ी लेता है।
- उसके हत्थे को ठीक करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसके बाद छेनी को पत्थर पर घिसकर तेज़ करता है।
- पत्थर पर डिज़ाइन साँचे की मदद से चाक से बना लेता है।
- फिर पच्चीकारी के कार्य में जुट जाता है
- हथौड़ी से छेनी को कभी धीमे कभी तेज़ मारता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- बीच-बीच में मनोरंजन के लिए गाना गुनगुनाता रहता है या सिगार पी लेता है।
- शाम होते-होते शिल्पकार पत्थर के एक छोटे भाग को खूबसूरत डिज़ाइन का रूप दे देता है।
- इसके पश्चात वह काम बंद करके सामान को सही जगह रखकर प्रसन्न होकर चला जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



6. फ्रांस के सर्फ़ और रोम के दास के जीवन की दशा की तुलना कीजिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

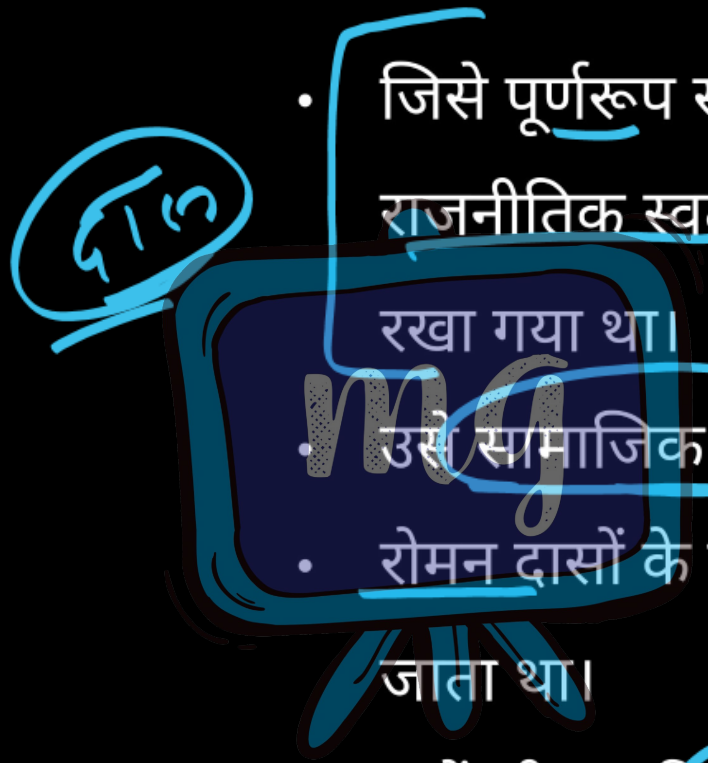
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

- फ्रांस के सर्फ़ और रोम के दास के जीवन में शोषण की प्रमुखता थी, किंतु उन दोनों के जीवन-शैली में कुछ अंतर भी मौजूद थे।
- रोमन समाज के तीन प्रमुख वर्गों में से सबसे निचला दर्जा दास वर्ग का था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- जिसे पूर्णरूप से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के अधिकारों से अलग रखा गया था।
- उसे सामाजिक न्याय की प्राप्ति नहीं थी।
- रोमन दासों के साथ पशुओं जैसा व्यवहार किया जाता था।
- उन्हें जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से भी वंचित रखा गया था।

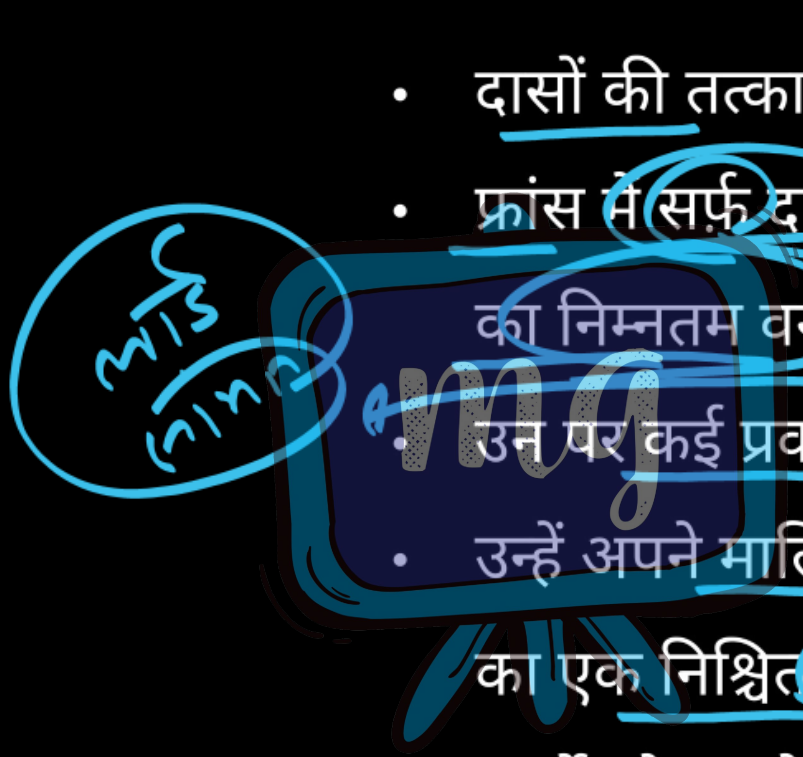
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- परंतु कालांतर में उच्च वर्ग द्वारा उनके प्रति कुछ सहानुभूति दिखलाई गई।
- इसके साथ ही, दास प्रथा का सबसे बुरा प्रभाव वहाँ के समाज पर पड़ा।
- दास को लेकर रोमन समाज में प्राय: संघर्ष होते रहते थे।
- कई बार मनोरंजन के लिए उन्हें जंगली पशुओं के सामने डाल दिया जाता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- दासों की तत्कालीन दशा बद से बदतर थी।
- फ्रांस में सर्फ़ दास किसान थे और यह किसानों का निम्नतम वर्ग था।
- उन पर कई प्रकार के प्रतिबंध लगे हुए थे।
- उन्हें अपने मालिकों से खेती के लिए भूमि उपज का एक निश्चित भाग देना पड़ता था।
- सर्फ़ों को अपने भूस्वामियों के खेतों पर बिना पैसे के काम यानी बेगार करना पड़ता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मज़दूरी दिए बिना ही उनसे मकान बनवाये जाते थे।
- घरेलू काम भी करवाये जाते थे।
- यदि वे आजाद या मुक्त होने का प्रयत्न करते थे तो उन्हें पकड़कर कठोर सजा दी जाती थी।
- रोमन दासों व फ्रांस के सर्फ़ों की जीवन शैली में कोई विशेष अंतर नहीं था।
- दोनों का जीवन पशु जैसा ही था।